प्रेसविज्ञाप्ति

गोरखपुर, 28सितम्बर 2017। श्री गोरखनाथ मन्दिर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप इण्टर कालेज,गोरखपुर के हिन्दी प्रवक्ता, योगवाणी के सम्पादक और भोजपुरी साहित्यकार डॉ0 फूलचन्द प्रसाद गुप्त के भोजपुरी निबन्ध संग्रह '**जागऽ बिहान भइल**' का विमोचन किया।

इस अवसर पर महाराज जी ने कहा कि डॉ0 फूलचन्द गुप्त भोजपुरी भाषा–साहित्य की समृद्धि हेतु सतत प्रयत्नशील रचनाकर हैं। अपनी संस्कृति और परम्पराओं को लेकर लिखा गया यह गद्य संग्रह प्रशंसनीय है। इस पुस्तक के माध्यम से भोजपुरी लोक अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सचेत होगा। नयी पीढ़ी अपने रीति–रिवाज, तीज–त्योहार के माहात्म्य को समझ सकेगी। पूज्य महाराज जी ने कहा कि भोजपुरी भाषा–साहित्य की परम्परा को संग्रह में स्थान देने वाले डॉ0 फूलचन्द प्रसाद गुप्त इसी प्रकार अपनी सेवाएँ निरन्तर जारी रखते हुए भोजपुरी भाषा और साहित्य को और अधिक समृद्ध करें, ऐसी शुभकामना है। पूर्वाचल वि0वि0 जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो0 यू0पी0 सिंह जी ने निबन्ध संग्रह को संस्कृति को जीवन्त बनाये रखने मे प्रशंसनीय कहा एवं इसके लिये लेखक को शुभकामना दी। गोरखपुर के जिलाधिकरी श्री राजीव रौतेला जी ने लेखक को शुभकामना दी। इस अवसर पर मन्दिर कार्यालय सचिव श्री द्वारिका तिवारी जी ने संग्रह की प्रशंसा की एवं लेखक को शुभकामना दी। इस अवसर पर दी0द0उ0गो0वि0 गोरखपुर के हिन्दी विभाग में भाषा–विज्ञान शिक्षक प्रो0 राम दरश राय ने कहा कि गद्य साहित्यकार का निकष होता है। डॉ0 फूलचन्द ने गद्य मे निबन्ध संग्रह प्रस्तुत कर भोजपुरी साहित्य में बड़े पड़ाव का काम किया है। भोजपुरी मे गंद्य लेखन प्रशंसनीय है। गद्य को पाकर भोजपुरी मजबूत हुई है। भोजपुरी के वरिष्ठ साहित्यकार श्री रवीन्द्र श्रीवास्तव जुगानी ने कहा कि डॉ0 फूलचन्द गुप्त का यह निबन्ध संग्रह लोक संस्कृति–परम्परा को सहेजने का संग्रह है। इनका अपनी माटी और अपनी भाषा के प्रति लगााव इस संग्रह से स्पष्ट है। श्री गुप्त का यह का प्रयास प्रशंसनीय है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़,गोरखपुर के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने कहा कि डॉ0 फूलचन्द गुप्त योग्य शिक्षक के साथ ही साथ कवि, कहानीकर और निबन्धकर भी हैं। यह निबन्ध संग्रह उनकी अपने माटी और भाषा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। लेखक डॉ0 फूलचन्द गुप्त ने कहा कि अपनी माटी,भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम होना ही चाहिए। इनके लिए यथासंभव सेवा का प्रयास होना चाहिएं। इसी अपेक्षा को ध्यान मे रखकर यह संग्रह आपके समक्ष है।

इस अवसर पर पन्तनगर,उत्तरखण्ड के प्रो0जे0पी0सिंहगौतम, वारिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0आर0पी0सिंह, विनय गौतम, और मारवाड़ के प्रधानचार्य श्री आर0यन0 गुप्त उपस्थित रहे।